भारत सरकार

सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्रालय

राज्य सभा

तारांकित प्रश्न सं. *403

जिसका उत्तर 01.04.2026 को दिया जाना है

भारतमाला परियोजना के अंतर्गत मल्टी-मॉडल लॉजिस्टिक्स पार्क (एमएमएलपी) का विकास

*403 श्री अशोकराव शंकरराव चव्हाणः

क्या सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) भारतमाला परियोजना के अंतर्गत योजनाबद्ध मल्टी मॉडल लॉजिस्टिक्स पार्कों (एमएमएलपी) की संख्या और वर्तमान में विकासाधीन या प्रचालनाधीन परियोजनाओं की संख्या कितनी-कितनी है;

(ख) प्राथमिकता प्राप्त एमएमएलपी के विकास के लिए कौन-कौन से स्थल चिन्हित किए गए हैं और इन स्थलों पर परियोजना के कार्यान्वयन की स्थिति क्या है;

(ग) रियायत पानेवालों संबंधी मॉडल समझौतों और मानक बोली दस्तावेजों की भूमिका सहित रियायत पानेवालों के चयन और एमएमएलपी परियोजनाओं के कार्य निष्पादन के लिए अपनाई गई रूपरेखा क्या है;

(घ) रेल, राजमार्गों, बंदरगाहों और अंतर्देशीय जलमार्गों के संपर्क सहित लॉजिस्टिक्स पार्कों के साथ मल्टीमॉडल कनेक्टिविटी को किस सीमा तक एकीकृत किया जा रहा है; और

(ङ) माल प्रबंधन के संदर्भ में इन पार्कों की अपेक्षित क्षमता का ब्यौरा क्या है और लॉजिस्टिक्स दक्षता में सुधार और परिवहन लागत को कम करने में उनकी क्या भूमिका है?

उत्तर

सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्री
(श्री नितिन जयराम गडकरी)

(क) से (ड.) विवरण सदन के पटल पर रखा गया है।

विवरण

'भारतमाला परियोजना के अंतर्गत मल्टी-मॉडल लॉजिस्टिक्स पार्क (एमएमएलपी) का विकास' के संबंध में श्री अशोकराव शंकरराव चव्हाण द्वारा पूछे गए दिनांक 01.04.2026 के राज्य सभा तारांकित प्रश्न सं. *403 के भाग (क) से (ड.) के उत्तर में उल्लिखित विवरण

(क) भारतमाला परियोजना के अंतर्गत चेन्नई, इंदौर, बेंगलुरु और नागपुर में 4 मल्टी-मॉडल लॉजिस्टिक्स पार्क (एमएमएलपी) विकसित करने की परियोजनाएं शुरू की गई थीं। भारतमाला परियोजना नवंबर 2023 से बंद कर दी गई है। चेन्नई, इंदौर और बेंगलुरु में एमएमएलपी का कार्य कार्यान्वयनाधीन है। नागपुर में एमएमएलपी का कार्य रियायतग्राही की चूक के कारण रोक दिया गया था और इसका कार्य 18.03.2026 को पुनः सौंप दिया गया है।

(ख) सरकार के सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्रालय ने एमएमएलपी के विकास के लिए 15 स्थानों को प्राथमिकता दी है, जिनमें से 6 परियोजनाएं कार्यान्वित की जा रही हैं, 8 परियोजनाओं में विस्तृत परियोजना रिपोर्ट (डीपीआर) का कार्य प्रगति पर है, जबकि एक परियोजना के लिए डीपीआर का प्रस्ताव किया गया है। इनका स्थान-वार विवरण **अनुलग्नक** में दिया गया है।

(ग) डिजाइन, निर्माण, वित्तपोषण, संचालन और हस्तांतरण (डीबीएफओटी) मॉडल का अनुपालन करते हुए **पीपीपी मोड** पर एमएमएलपी का विकास किया जा रहा है। निविदा प्रक्रिया, अनुमोदित प्रस्ताव अनुरोध (आरएफपी) और अनुमोदित आदर्श (मॉडल) रियायत करार (एमसीए) का उपयोग करके ई-निविदा के माध्यम से की जाती है।

(घ) मल्टी-मोडल लॉजिस्टिक्स पार्कों (एमएमएलपी) को एकीकृत लॉजिस्टिक्स केंद्रों (हब) के रूप में विकसित करने की योजना है, जिसमें मुख्य रूप से सड़क और रेल के माध्यम से कनेक्टिविटी होगी, लेकिन जहां भी व्यवहार्य हो, जलमार्ग भी शामिल हो सकते हैं, ताकि देश के अन्य भागों तक उपयुक्त माध्यम से निर्बाध और कुशल माल ढुलाई सुनिश्चित की जा सके।

(ड.) मल्टी मॉडल लॉजिस्टिक्स पार्क (एमएमएलपी) की क्षमता का निर्धारण, बाजार अध्ययनों के आधार पर विस्तृत परियोजना रिपोर्ट (डीपीआर) और कार्यान्वयन चरण के दौरान किया जाता है। एमएमएलपी विकास की योजना भूमि की उपलब्धता के आधार पर चरणों में बनाई जाती है, जिससे उत्पादन और भंडारण आवश्यकताओं को संतुलित करते हुए विस्तारशीलता सुनिश्चित की जा सके। प्रमुख गलियारों जैसे पहुंच-नियंत्रित राजमार्गों/एक्सप्रेसवे और समर्पित माल ढुलाई गलियारे से कनेक्टिविटी और समग्र वित्तीय व्यवहार्यता को ध्यान में रखते हुए मिलियन मीट्रिक टन प्रति वर्ष (एमएमटीपीए) में व्यक्त

की जाने वाली क्षमता को अधिकतम किया जाता है। निर्धारित वर्ष में सभी मोड्स के माध्यम से प्रबंधित किए जाने वाले कार्गो की कुल मात्रा के संदर्भ में, सौंपी गई एमएमएलपी परियोजनाओं की क्षमता का विवरण **अनुलग्नक** में दिया गया है।

वर्तमान में सभी सौंपी गई एमएमएलपी परियोजनाएं कार्यान्वयन चरण में हैं और इनको पूर्णतया संचालित किए जाने के बाद ही परिवहन लागत को कम करने तथा लॉजिस्टिक्स दक्षता में सुधार करने में उनकी भूमिका का आकलन किया जा सकेगा।

अनुलग्नक

'भारतमाला परियोजना के अंतर्गत मल्टी-मॉडल लॉजिस्टिक्स पार्क (एमएमएलपी) का विकास' के संबंध में श्री अशोकराव शंकरराव चव्हाण द्वारा पूछे गए दिनांक 01.04.2026 के राज्य सभा तारांकित प्रश्न सं. *403 के भाग (ख) और (ड.) के उत्तर में उल्लिखित अनुलग्नक

क्र. सं.	एमएमएलपी का स्थान	एमएमपीटीए में प्राधिकरण द्वारा अनुमानित माल ढुलाई क्षमता	स्थिति
1	**चेन्नई**	**7.17**	**कार्यान्वयन के अधीन**
2	**इंदौर**	**12.79**	**कार्यान्वयन के अधीन**
3	**बेंगलुरु**	**29.46**	**कार्यान्वयन के अधीन**
4	**नागपुर**	**9.47**	**मूल कार्य समाप्त कर दिया गया; कार्य 18.03.2026 को पुनः सौंपा गया।**
5	जोगीघोपा	--	इंजीनियरिंग प्रापण और निर्माण मोड (ईपीसी) के माध्यम से क्षेत्र विकास कार्य किया गया; आंशिक निर्माण, संचालन और रखरखाव के लिए बोलियां आमंत्रित की जाएंगी।
6	जालना	--	जवाहरलाल नेहरू पत्तन प्राधिकरण (जेएनपीए) से प्राप्त स्थल पर पहले से ही रेल कनेक्टिविटी वाला रेल टर्मिनल मौजूद था, जिसका उपयोग शुष्क बंदरगाह (ड्राई पोर्ट) के विकास के लिए किया जाना था; अन्य सुविधाएं एनएचएलएमएल द्वारा ईपीसी मोड पर विकसित की गईं; मार्च 2025 में बोली के आधार पर संचालन और रखरखाव सौंप दिया गया।
7	नासिक	--	डीपीआर पूर्ण; परियोजना मूल्यांकन चरण में है
8	पटना	--	डीपीआर पूर्ण; परियोजना मूल्यांकन चरण में है
98	अनंतपुर	--	डीपीआर पूर्ण; परियोजना मूल्यांकन चरण में है
10	हैदराबाद	--	डीपीआर पूर्ण; परियोजना मूल्यांकन चरण में है
10	वाराणसी	--	डीपीआर पूर्ण; परियोजना मूल्यांकन चरण में है
12	पुणे	--	डीपीआर प्रगति पर है
13	कोयंबटूर	--	डीपीआर प्रगति पर है
14	सिलचर	--	डीपीआर प्रगति पर है
15	विशाखापट्टनम	--	डीपीआर का कार्य शुरू किया जा रहा है

***एमएमटीपीए-मिलियन मीट्रिक टन प्रति वर्ष**

*****